

УТВЕРЖДАЮ:

Должность Председатель комитета
по природным ресурсам Ленинградской области
Ф.И.О. Немчинов П. А.
Дата 17.12.2020

АКТ
лесопатологического обследования № 167-ФР-20/47

лесных насаждений Ропшинского лесничества(лесопарка)
Ленинградской области (субъект Российской Федерации)

Способ лесопатологического обследования:

1. Визуальный

☐

2. Инструментальный

☒

Место проведения

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал (кварталы) | Выдел (выделы) | Площадь, га |
|------------------------|-------------------|--------------------|----------------|-------------|
| Октябрьское | - | 141 | 19 (19.1) | 4,5 (2,0) |

Лесопатологическое обследование проведено на общей площади 2,0 га.

2. Инструментальное обследование лесного участка.

2.1 Фактическая таксационная характеристика лесного насаждения не соответствует таксационному описанию. Причины несоответствия: ивность лесоустройства, выборочные рубки прошлых лет
выделение лесопатологического выдела

Ведомость лесных учатков с выявленным несоответствием таксационным описаниям приведена в приложении 1 к Акту

2.2 Состояние насаждений: с нарушенной устойчивостью ☒
с утраченной устойчивостью ☐

причины повреждения:

Бурелом (822) и ветровал(821), Большой сосновый лубоед (338), Короед-типограф (343)

Заселено (отработано) стволовыми вредителями:

| Вид вредителя | Порода | Встречаемость (% заселенных деревьев) | Степень заселения лесного насаждения (слабая, средняя, сильная) |
|-------------------------------|--------|---------------------------------------|---|
| Большой сосновый лубоед (338) | С | 0,0 (отработ. 8,4) | - |
| Короед-типограф (343) | Е | 0,0 (отработ. 6,6) | - |

Повреждено огнем:

| Вид пожара | Порода | Состояние корневых лап | | Состояние корневой шейки | | Подсушивание луба | |
|---------------------------------------|--------|-----------------------------------|--|--|--|--|--|
| | | Процент поврежденных огнем корней | Процент деревьев с данным повреждением | Ожог корневой шейки по окружности и (1/4; 2/4;3/4; более3/4) | Процент деревьев с данным повреждением | по окружности (1/4; 2/4;3/4; более3/4) | Процент деревьев с данным повреждением |
| на обследованных участках не выявлено | | | | | | | |

Поражено болезнями:

| Вид болезни | Порода | Встречаемость (% пораженных деревьев) | Степень поражения лесного насаждения (слабая, средняя, сильная) |
|---------------------------------------|--------|---------------------------------------|---|
| на обследованных участках не выявлено | | | |

2.3 выборке подлежит 8,3 % деревьев,

в том числе:

| | | | |
|--------------------|------------|----------------------|----------|
| ослабленных | <u>-</u> | (причины назначения) | <u>-</u> |
| сильно ослабленных | <u>-</u> | (причины назначения) | <u>-</u> |
| усыхающих | <u>-</u> | (причины назначения) | <u>-</u> |
| свежего сухостоя | <u>-</u> | %; | |
| старого сухостоя | <u>0,3</u> | %; | |
| свежего ветровала | <u>-</u> | %; | |
| свежего бурелома | <u>-</u> | %; | |
| старого ветровала | <u>3,3</u> | %; | |
| старого бурелома | <u>4,7</u> | %; | |
| аварийных | <u>-</u> | %. | |

2.4 Полнота лесного насаждения после уборки деревьев, подлежащих рубке, составит 0,6
Критическая полнота для данной категории лесных насаждений составляет 0,5

ЗАКЛЮЧЕНИЕ

С целью предотвращения негативных процессов или снижения ущерба от их воздействия назначено:

| Участковое лесничество | Урочище (дата) | Квартал | Выдел | Площадь выдела, га | Вид мероприятия | Площадь мероприятия, га | Порода | Запас на выдел, куб.м | Крайние сроки проведения |
|------------------------|-------------------|---------|-------|-----------------------|--------------------|-------------------------------|--------|--------------------------|-----------------------------|
| Октябрьское | - | 141 | 19 | 4,5 | УНД | 2,0 | С | 33 | 2021 год |

Ведомость перечета деревьев, назначенных в рубку, и абрис лесного участка прилагаются (приложение 2 и 3 к Акту).

Меры по обеспечению возобновления:

Мероприятия, необходимые для предупреждения повреждения или поражения смежных насаждений: лесопатологический мониторинг

Сведения для расчета степени повреждения:

год образования старого сухостоя 2015 год ;

основная причина повреждения древесины технические вредители, древоразрушающие грибы

Дата проведения обследований 18.03.2020 .

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

инженер-лесопатолог

Филиала ФБУ "Рослесозащита"- "Центр защиты леса
Ленинградской области"

А.В. Петров

подпись




Ведомость лесных участков с выявленными несоответствиями таксационным описаниям

| Источник данных | Год проведения лесоустройства | Номер квартала | Номер выдела | Площадь выдела, га | Целевое назначение лесов | Категория защитных лесов | Номер лесопатологического выдела | Площадь лесопатологического выдела | Таксационная характеристика | | | | | | | | | | | Заложено пробных площадей | |
|-----------------|-------------------------------|----------------|--------------|--------------------|--------------------------|--|----------------------------------|------------------------------------|-----------------------------|---|-----|----|----|----|----|--------------|---|--------------|---|---------------------------|-------------------|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | количество, шт. | общая площадь, га |
| ТО | 2005 | 141 | 19 | 4,5 | Защитные | Леса, выполняющие функции защиты природных и иных объектов, леса, расположенные в защитных полосах лесов | 19.1 | 2,0 | 8С2Е | С | 90 | 21 | 24 | ЧС | А2 | 0,6 | 3 | 183 (200) | 1 | 2,00 | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Ф | | | | | | | | | 9С1Е (9С1Е) | С | 105 | 21 | 28 | ЧС | А2 | 0,5 (0,6) | 3 | | | | |

Примечание: ТО - таксационные описания, Ф - фактическая таксационная характеристика
Давность лесоустройства, выборочные рубки прошлых лет, выделение лесопатологического выдела
Причины несоответствия:

Дата проведения обследований 18.03.2020

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования: А.В. Петров
подпись 

Результаты проведения лесопатологического обследования лесных насаждений за Март 2020 г.

Субъект Российской Федерации Ленинградская область Лесничество (лесопарк) Рошинское
Участковое лесничество Октябрьское Урочище (дача)

| Номер квартала | | Номер выдела | Площадь выдела, га | Целевое назначение лесов | Категория защитных лесов | Номер лесопатологического выдела | Площадь лесопатологического выдела, га | Таксационная характеристика | | | | | | | | | | Число деревьев на пробе, шт. | Распределение запаса насаждения по категориям состояния деревьев, % | | | | | | | | | | Признаки поврежденных деревьев | Доля поврежденных деревьев, % | Причина ослабления, повреждения | Подлежит рубке, % | Назначенные мероприятия | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----------------|----|--------------|--------------------|---|--------------------------|----------------------------------|--|-----------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--------|---------|------------------------------|---|----------|-----------|---------|--------------|-----|------|------|-------------|--------------------|--------------------------------|-------------------------------|---------------------------------|-------------------|-------------------------|----------------|----------------|-------------|------|---|-----|-----|-----|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9С1Е (9С1Е) | | | | | | | | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 141 | 19 | 4,5 | Защитные | Леса, выполняющие функции защиты парковых и иных объектов, леса, расположенные в защитных полосах лесов | 19,1 | 2,0 | 9С1Е (9С1Е) | Состав | | | | | | | | Порода | Возраст | Ср. высота, м | Ср. диаметр, см | Тип леса | Плотность | Бонитет | Запас, км/га | 591 | 56,4 | 35,2 | Ослабленные | Сильно ослабленные | Усыхающие | Свежий сухостой | Старый сухостой | Свежий ветровал | Старый ветровал | Свежий бурелом | Аварийные леса | 206,218,614 | 43,6 | Бурелом (822) и ветровал(821), Большой сосновый лубоед (338), Короед-типограф (343) | 7,6 | УИД | 2,0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

Показатели, не соответствующие таксационному описанию отмечены *#

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

А.В. Петров

подпись

Дата составления документа 02.12.2020

телефон

8 (812) 552-73-55

№ 167-ФР-20/47

Ведомость перечета деревьев назначенных в рубку
ВРЕМЕННАЯ ПРОБНАЯ ПЛОЩАДЬ № 1

Субъект Российской Федерации Ленинградская область
Лесничество (лесопарк) Рощинское Квартал 141 Выдел 19.1
Площадь 2,0 га, -
Номер очага вредных организмов - Размер пробной площади 2,0 га
Таксационная характеристика: (сплошной перечет)
тип леса ЧС; состав 9С1Е (9С1Е);
возраст 105; бонитет 3; полнота 0,5 (0,6); запас 183 (200)
возобновление -

Время и причина ослабления лесного насаждения:

Бурелом (822) и ветровал(821), Большой сосновый лубоед (338), Короед-типограф (343)

Тип очага вредных организмов: эпизодический, хронический, отсутствует (подчеркнуть)
Фаза развития очага вредных организмов: начальная, нарастания численности, собственно
вспышка, кризис (подчеркнуть)

Состояние лесного насаждения, намечаемые мероприятия:

Насаждение с нарушенной устойчивостью (СКС насаждения - 1,76)

Намечаемое мероприятие - уборка неликвидной древесины

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

А.В. Петров

подпись 

Дата составления документа

02.12.2020

телефон

8 (812) 552-73-55

ВЕДОМОСТЬ ПЕРЕЧЕТА ДЕРЕВЬЕВ

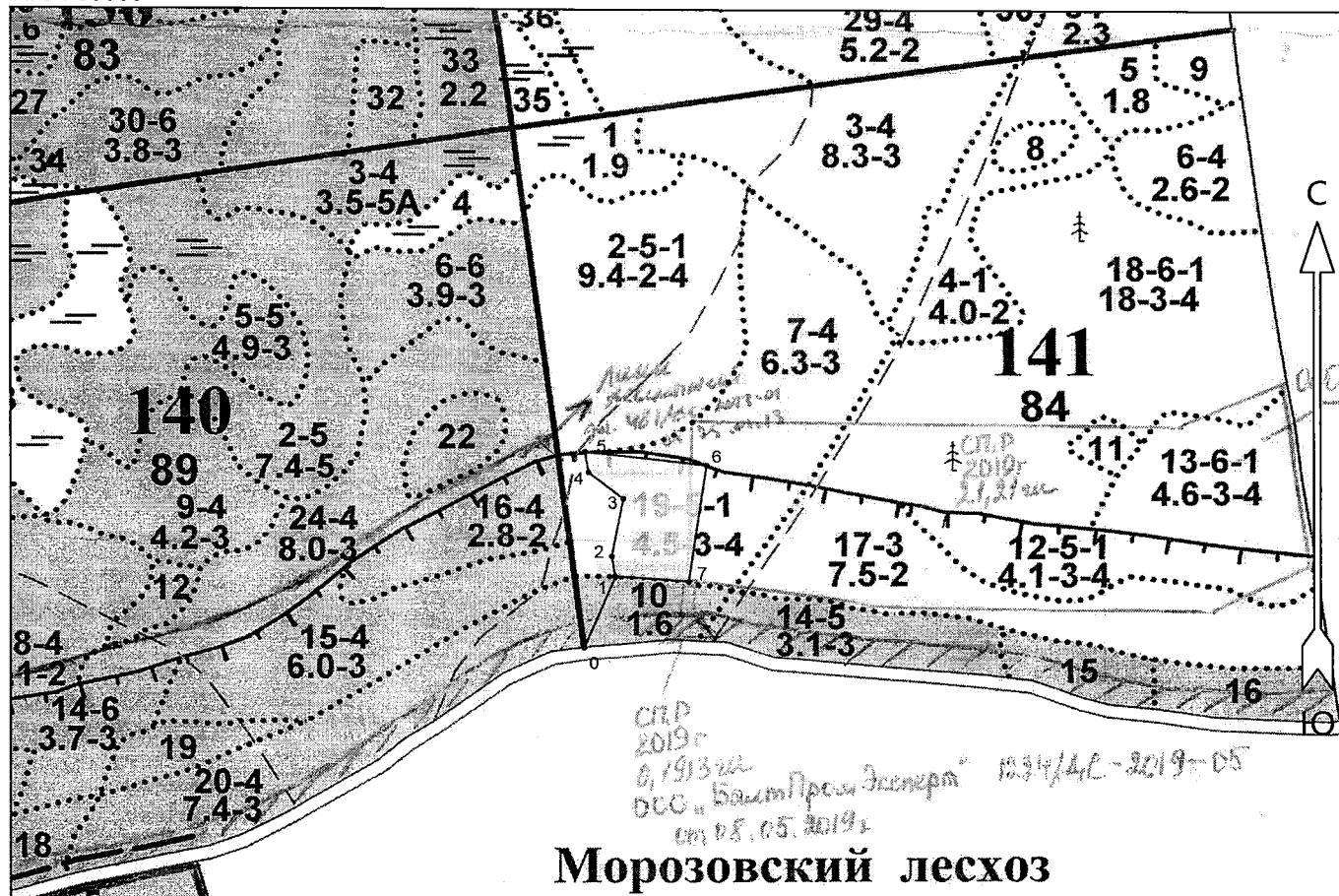
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|------------------------|--|-------|-----|-------|---|-----|---|----|----|-----|-------------------|----|------|-------------------|----|----|----------------|--|
| порода: | С | | | СКС - | | 1,8 | | | | | | | | | | | | |
| Ступени толщины, см | количество деревьев по категориям состояния, шт. | | | | | | | | | | | | | | | | всего деревьев | |
| | I | II | III | IV | | V | | VI | | | ветровал, бурелом | | | аварийные деревья | | | шт. | в том числе подлежат рубке, % |
| | | | | НЗ | З | НЗ | З | НЗ | З | О | НЗ | З | О | НЗ | З | О | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 8 | 6 | 5 | | | | | | | | | | | 1 | | | | 12 | 0,2 |
| 12 | 8 | 7 | | | | | | | | 2 | | | 3 | | | | 20 | 0,8 |
| 16 | 18 | 13 | | | | | | | | 1 | | | 4 | | | | 36 | 0,8 |
| 20 | 38 | 23 | | | | | | | | 1 | | | 5 | | | | 67 | 1,0 |
| 24 | 62 | 39 | | | | | | | | 1 | | | 10 | | | | 112 | 1,9 |
| 28 | 80 | 46 | | | | | | | | | | | 14 | | | | 140 | 2,4 |
| 32 | 58 | 35 | | | | | | | | | | | 8 | | | | 101 | 1,4 |
| 36 | 44 | 27 | | | | | | | | | | | 6 | | | | 77 | 1,0 |
| 40 | 9 | 7 | | | | | | | | | | | 1 | | | | 17 | 0,2 |
| 44 | 4 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| 48 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | 2 | |
| 52 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 56 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| итого | 328 | 206 | | | | | | | | 5 | | | 52 | | | | 591 | 9,6 |
| итого, % | 55,5 | 34,9 | | | | | | | | 0,8 | | | 8,8 | | | | 100,0 | 9,6 |
| итого, м³ | 203,0 | 126,7 | | | | | | | | 1,1 | | | 29,2 | | | | 360,0 | 8,4 |
| итого,%от м³ | 56,4 | 35,2 | | | | | | | | 0,3 | | | 8,1 | | | | 100,0 | 8,4 |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---------------------------|--|------|-----|-------|---|-----|---|----|----|----|-------------------|----|-----|-------------------|----|----|----------------|--|
| порода: | Е | | | СКС - | | 1,6 | | | | | | | | | | | | |
| Ступени толщины, см | количество деревьев по категориям состояния, шт. | | | | | | | | | | | | | | | | всего деревьев | |
| | I | II | III | IV | | V | | VI | | | ветровал, бурелом | | | аварийные деревья | | | шт. | в том числе подлежат рубке, % |
| | | | | НЗ | З | НЗ | З | НЗ | З | О | НЗ | З | О | НЗ | З | О | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 8 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 | 4 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | 6 | |
| 24 | 12 | 6 | | | | | | | | | | | 2 | | | | 20 | 3,4 |
| 28 | 8 | 4 | | | | | | | | | | | 1 | | | | 13 | 1,7 |
| 32 | 11 | 5 | | | | | | | | | | | 1 | | | | 17 | 1,7 |
| 36 | 2 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | 3 | |
| 40 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 44 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 48 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 52 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 56 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| итого | 37 | 18 | | | | | | | | | | | 4 | | | | 59 | 6,8 |
| итого, % | 62,7 | 30,5 | | | | | | | | | | | 6,8 | | | | 100,0 | 6,8 |
| итого, м³ | 24,9 | 12,0 | | | | | | | | | | | 2,6 | | | | 39,5 | 6,6 |
| итого,%от м³ | 63,0 | 30,4 | | | | | | | | | | | 6,6 | | | | 100,0 | 6,6 |

167-ФР-20/47

Абрис участка
в Роцинском лесничестве
Октябрьском участковом лесничестве
кв. 141 вид. 19, л/п вид. 1, площадь 2,0 га

М 1 : 10000



| № выдела | Ленты (круговые площадки) перечёта | | | | |
|-----------|------------------------------------|----------|-----------|-----------|-------------|
| | № ленты (площадки) | Длина, м | Ширина, м | Радиус, м | Площадь, га |
| 19 (19.1) | | | | | 2,0 |

| Номера точек | Координаты | | Румбы линий | Длина, м |
|--------------|-----------------|-----------------|-------------|----------|
| | Широта | Долгота | | |
| 0 - 1 | 60° 10' 23.42" | 29° 17' 18.914" | СВ 23° 00' | 106 |
| 1 - 2 | 60° 10' 26.587" | 29° 17' 21.637" | СЗ 9° 30' | 29 |
| 2 - 3 | 60° 10' 27.5" | 29° 17' 21.338" | СВ 11° 00' | 81 |
| 3 - 4 | 60° 10' 30.08" | 29° 17' 22.358" | СЗ 52° 00' | 60 |
| 4 - 5 | 60° 10' 31.268" | 29° 17' 19.31" | СЗ 9° 30' | 30 |
| 5 - 6 | 60° 10' 32.218" | 29° 17' 18.995" | ЮВ 83° 30' | 165 |
| 6 - 7 | 60° 10' 31.598" | 29° 17' 29.659" | ЮЗ 8° 30' | 162 |
| 7 - 1 | 60° 10' 26.403" | 29° 17' 28.095" | СЗ 86° 00' | 100 |

| Условные обозначения | | | |
|------------------------------|--|--|--|
| Уборка неликвидной древесины | | | |

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

ФИО Петров А.В.

Подпись

Дата составления документа 02.12.2020

Телефон (812) 552-73-55